MP Board Class 6th Notes Sanskrit Chapter 12 रामचरितम्

रामचरितम् हिन्दी अनुवाद

उत्तरप्रदेशे अयोध्या नाम नगरी अस्ति। तस्यां पुरा
दशरथनृपः राज्यम् अकरोत्। तस्य चत्वारः पुत्राः आसन्रामः,लक्ष्मणः, भरतः,शत्रुघ्नः च। विश्वामित्रः, रामलक्ष्मणौ स्वस्य आश्रमम् अनयत्। विश्वामित्रः तौशस्त्रविद्यांअशिक्षयत्। तदनन्तरं मिथिलायां चतुर्णाम् राजपुत्राणां विवाहः अभवत्। जनकसुतायाः सीतायाः विवाहः रामेण सह अभवत्।

दशरथस्य आज्ञया रामः राज्यं त्यक्त्वा वनम् अगच्छत्। पत्नी सीता, अनुजः लक्ष्मणः च तेन सह अगच्छतम्। ते ऋषिभिः सह वने अवसन्। तत्र राक्षसराजः रावणः सीतां कपटेन अहरत्।

अनुवाद :
उत्तर प्रदेश में अयोध्या नामक नगरी है। उसमें
प्राचीनकाल में दशरथ राजा राज्य करते थे। उनके चार
पुत्र थे-राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न। विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को अपने आश्रम को ले गये। विश्वामित्र ने उन दोनों को शस्त्रविद्या सिखलायी। उसके बाद मिथिला में चारों ही राजपुत्रों का विवाह हो गया। जनक की पुत्री सीता का विवाह राम के साथ हुआ।

दशरथ की आज्ञा से राज्य को त्यागकर राम वन को चले गये। (उनकी) पत्नी सीता तथा अनुज (छोटा भाई) लक्ष्मण उनके साथ (वन को) चले गये। वे सभी ऋषियों के साथ वन में रहते थे। वहाँ राक्षसराज रावण ने कपटपूर्वक सीता का हरण कर लिया।

सीतान्वेषणाय रामलक्ष्मणौ वने अभ्रमताम्। तौ वालेः राज्यं किष्किन्धाम् अगच्छताम्। राजा सुग्रीवः तयोः मित्रम् अभवत्। वायुपुत्रः हनुमान् सागरपारं गत्वा लङ्कायां सीताम् अपश्यत्। वानराः सागरे सेतुनिर्माणम् अकुर्वन्। रामस्य वानरसेना राक्षससेनया सह युद्धम् अकरोत्। रामेण राक्षस राजः रावणः युद्धे हतः। रामः, सीता, लक्ष्मणः च अयोध्यां प्रत्यागच्छन्। तत्र रामः न्यायेन प्रजापालनम् अकरोत्। तस्य राज्ये सर्वे सुखिनः अभवत्। आदिकविः वाल्मीकिः रामचरितं रामायणे महाकाव्ये अवर्णयत्।

अनुवाद :
सीता की खोज करने के लिए राम और लक्ष्मण वन में घूमते रहे। वे दोनों राजा बाली के राज्य किष्किन्धा को गये। राजा सुग्रीव उन दोनों का मित्र हो गया। पवनपुत्र हनुमान ने समुद्र के पार जाकर लङ्का में सीता को देखा। वानरों ने समुद्र पर सेतु (पुल) का निर्माण किया। राम की वानर सेना ने राक्षस सेना के साथ युद्ध किया। राम के द्वारा राक्षस राज रावण युद्ध में मार दिया गया। राम, सीता और लक्ष्मण अयोध्या लौटकर आ गये। वहाँ राम ने न्यायपूर्वक प्रजा का पालन किया। उनके राज्य में सभी सुखी रहे। आदिकवि वाल्मीकि ने राम के चरित्र को रामायण महाकाव्य में वर्णन किया।

रामचरितम् शब्दार्थाः

पुरा = प्राचीन समय में। नृपः = राजा। चत्वारः = चार स्वाश्रमम् = अपने आश्रम को। त्यक्त्वा = त्यागकर अभ्रमताम् = घूमे। सीतान्वेषणाय = सीता को ढूँढ़ने के लिए। आदिकविः = पहला कवि। कपटेन = छल से। प्रत्यागच्छन् = वापस आए। सेतुनिर्माणम् = पुल का निर्माण। अवर्णयत् = वर्णन किया।

https://www.evidyarthi.in/